भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2279

उत्तर देने की तारीख 08.07.2019

जवाहर नवोदय विद्यालयों के उद्देश्य

2279. श्री सुनील कुमार सिंह:
डॉ० हिना विजयकुमार गावीत:
श्री कुलदीप राय शर्मा:
डॉ० सुभाष रामराव भामरे:
श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:
डॉ० अमोल रामसिंह कोल्हे:

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगें कि:

(क) देश में जवाहर नवोदय विद्यालयों (जेएनवी) की स्थापना के उद्देश्य क्या हैं और सरकार द्वारा उनकी स्थापना के लिए कितनी सहायता प्रदान की गई है;

(ख) देश के जेएनवी का ब्यौरा क्या है और आज की तिथि के अनुसार उनके कर्मचारियों की संख्या का राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) गत तीन वर्षों के प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार आबंटित/उपयोग की गई निधियों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने जिन उद्देश्यों के लिए यह विद्यालय स्थापित किए थे वह हासिल कर लिए हैं और यदि हां, तो तत्संबधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो सरकार द्वारा इस संबंध में अन्य क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए है;

(ड.) क्या सरकार को छात्रों की संख्या बढ़ाने के लिए नवोदय विद्यालय समिति से (एनवीएस) कोई प्रस्ताव प्राप्त हु एहैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) क्या सरकार छात्रों के लाभार्थ जेएनवी शिक्षकों को उच्च गुणवत्ता प्रशिक्षण प्रदान कर रहीं है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) सरकार द्वारा जेएनवी की संख्या बढ़ाने विशेष रूप से देश के ग्रामीण क्षेत्रों में अन्य क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्री

(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क): जवाहर नवोदय विद्यालय का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभावान बच्चों को उनके परिवार की सामाजिक, आर्थिक दशा पर ध्यान दिए बिना अच्छी गुणवत्ता की आधुनिक शिक्षा प्रदान करना है, जिसमें संस्कृति के मजबूत घटक, मूल्य परक शिक्षा, पर्यावरण संबंधी जागरूकता, साहसी कार्यकलाप और शारीरिक शिक्षा शामिल हैं। भारत सरकार जेएनवी को चलाने और प्रबंधित करने के लिए नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) को बजटीय सहायता प्रदान करती है।

(ख): वर्तमान स्थिति के अनुसार देश में 636 जवाहर नवोदय विद्यालय संचालन में है। वर्तमान में देश मे संचालित जेएनवी के राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरे और उनके कर्मचारियों की संख्या को दर्शाने वाला विवरण अनुलग्नक है।

(ग): भारत सरकार एनवीएस को अनुदान सहायता के रूप में बजटीय सहायता प्रदान करती है। आवंटन राज्य/संघ राज्य-वार नहीं दिया जाता है। पिछले तीन वर्षो के दौरान और वर्तमान वर्ष में सहायता अनुदान आवंटन का विवरण निम्नानुसार है:-

वर्ष	**बजट आवंटित (रूपये करोड़ में)**
2016-17	2619.57
2017-18	3185.00
2018-19	3213.00
2019-20	3068.00

(घ): जेएनवी ने कुल मिलाकर अपने उद्देश्य प्राप्त कर लिए है, जैसा कि शिक्षा खेल और अन्य शिक्षणेत्तर कार्यकलापों में जेएनवी के विद्यार्थियों के प्रर्दशन से पता चलता है। नवोदय विद्यालय समिति और अन्य स्कूल प्रणालियों के पास प्रतिशत की तुलना नीचे वर्णित है:

कक्षा-X (पास प्रतिशत)

क्र.सं.	विद्यालय प्रणाली	2014	2015	2016	2017	2018	2019
1.	सी.बी.एस.ई	98.87	97.32	96.21	90.95	86.70	91.10
2.	**एनवीएस**	**99.80**	**99.72**	**98.83**	**99.78**	**97.15**	**98.57**
3.	के.वि.एस	99.46	99.39	98.85	99.66	95.96	99.47
4.	स्वतन्त्र	99.44	98.19	97.72	98.04	89.49	94.15

कक्षा-XII (पास प्रतिशत)

क्र.सं.	विद्यालय प्रणाली	2014	2015	2016	2017	2018	2019
1.	सी.बी.एस.ई	82.66	82.00	83.05	82.02	83.01	83.40
2.	**एनवीएस**	**97.67**	**96.91**	**96.70**	**95.87**	**97.07**	**96.62**
3.	के.वि.एस	97.37	94.72	95.43	94.60	97.78	98.54
4.	स्वतन्त्र	82.77	81.08	82.40	79.27	82.50	82.59

(ड.): नवोदय विद्यालय समिति (न.वि.स) से जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा-6 से विद्यार्थियों के दाखिले में 10% तक का वृद्धि का प्रस्ताव प्राप्त हुआ था| एनवीएस को यह परामर्श दिया गया है कि वह इस प्रस्ताव को बच्चों के नि: शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के प्रावधान के साथ संरेखित करे।

(च): देश के विभिन्न हिस्सों में स्थापित राष्ट्रीय नेतृत्व संस्थान (एनएलआई) जवाहर नवोदय विद्यालय के शिक्षकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करते हैं ताकि वे अपने कौशल को बढ़ा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम जेएनवी शिक्षको को शिक्षा क्षेत्र में नवीनतम नवाचारों, वर्तमान सुधारों शिक्षा में आईटीसी के उपयोग आदि से परिचित कराने में मदद करते हैं। 2018-19 के दौरान कुल 229 प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें 8353 कर्मचारियों ने भाग लिया।

(छ): नवोदय विद्यालय योजना में देश के प्रत्येक जिले में एक जेएनवी खोलने की व्यवस्था है। नए जेएनवी को खोलना एक सतत प्रक्रिया है जिसके लिए अपेक्षित उपयुक्त निशुल्क भूमि उपलब्ध कराने और स्थायी भवन बनने तक विद्यालय को चलाने के लिए किरायामुक्त अपेक्षित अस्थायी भवन उपलब्ध कराना - संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन इच्छा पर निर्भर करता है। तथापि, वास्तविक संस्कृति और नए जेएनवी को खोलना निधि की उपलब्धता और सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन पर निर्भर करता है। देश के सभी जिलों में एक जेएनवी संस्वीकृत किया गया है (31 मई, 2014 तक)। तमिलनाडु ने अभी तक नवोदय विद्यालय योजना को स्वीकार नहीं किया है।

*****

अनुबंध

'जवाहर नवोदय विद्यालयों के उद्देश्य' के सम्बंध में माननीय संसद सदस्यों श्री सुनील कुमार सिंह, डॉ० हिना विजयकुमार गावीत, श्री कुलदीप राय शर्मा, डॉ० सुभाष रामराव भामरे, श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे और डॉ० अमोल रामसिंह कोल्हे द्वारा दिनांक 8.7.2019 को पूछे जाने वाले लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2279 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

कर्मचारियों की संख्या के साथ जेएनवी की राज्य/संघ राज्य-वार विवरण

क्रं.सं.	राज्य / संघ-राज्य क्षेत्र का नाम	जेएनवी की संख्या	कर्मचारियों की संख्या (30.6.2019 की स्थिति के अनुसार)	
			शैक्षिक कर्मचारी	गैर-शैक्षिक कर्मचारी
1	अंडमान निकोबार	3	31	25
2	आंध्र प्रदेश	15	309	211
3	अरूणाचल प्रदेश	16	197	155
4	असम	27	521	366
5	बिहार	39	782	525
6	चंडीगढ़	1	29	17
7	छत्तीसगढ़	28	363	217
8	दमन एंड दीय	2	32	16
9	दिल्ली	2	51	27
10	गोआ	2	40	29
11	गुजरात	31	452	268
12	हरियाणा	21	499	276
13	हिमाचल प्रदेश	12	257	152
14	जम्मू कश्मीर	20	206	202
15	झारंखंड	26	472	297
16	कर्नाटक	31	605	399
17	केरल	14	334	192
18	लक्षद्वीप	1	13	9
19	मध्य प्रदेश	54	1105	699
20	महाराष्ट्र	34	696	446
21	मणिपुर	11	222	133
22	मेघालय	9	124	97
23	मिजोरम	8	69	57
24	नागालैंड	11	113	103
25	ओडिशा	31	548	364
26	पुडुचेरी	4	84	60
27	पंजाब	22	489	268
28	राजस्थान	35	786	459
29	सिक्किम	4	72	51
30	तेलंगाना	9	191	127
31	त्रिपुरा	6	70	58

32	उत्तर प्रदेश	74	1610	938
33	उत्तराखंड	13	263	156
34	पश्चिम बंगाल	19	302	150
35	दादर एंड नागर हवेली	1	19	12
कुल		636	11956	7561

*****